कक्षा–12 NCERT राजनीति विज्ञान (स्वतंत्र भारत में राजनीति)

अध्याय–01 (राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां) नोट्स

Youtube Channel Name : Siddhi Vinayak Sangaria

Channel Link- https://www.youtube.com/channel/UCJlUDM0uPIL7kEO0ZMdDcHg

Telegram link - https://t.me/siddhivinayaksangariamukesh (Siddhi Vinayak Sangaria)

Political Science Video Playlist Link-

https://www.youtube.com/watch?v=T1_JmzbsaAM&list=PLIlq5TfwxGWF7iVqpMJgSuc6OVr8kERaU

---

1. भारत को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने के लिए नेहरू जी ने किन तर्कों का उपयोग किया? क्या आपको लगता है कि ये केवल भावनात्मक और नैतिक तर्क हैं अथवा इनमें कोई तर्क युक्तिपरक भी है?

उत्तर– भारत को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने के लिए नेहरू जी ने निम्न तर्कों का प्रयोग किया–

- विभाजन के समय जिन मुसलमानों ने भारत नहीं छोड़ा उन्हें भारत में अल्पसंख्यक का दर्जा दिया गया। जवाहरलाल नेहरू इन्हें भारतीय नागरिकों के समान ही सम्मान देने के पक्ष में थे।
- जवाहरलाल नेहरू ने मुसलमानों को भी भारतीय नागरिकों के समान ही सुरक्षा व लोकतांत्रिक अधिकार देने का समर्थन किया। नहीं, ये केवल भावनात्मक व नैतिक तर्क नहीं हैं, बल्कि युक्तिपरक भी हैं, क्योंकि–
  - भारत की धर्मनिरपेक्षता ने समाजवाद, समानता, स्वाधीनता व भाईचारे जैसे सिद्धांतों को बढ़ावा दिया है।
  - धर्मनिरपेक्षता बिना किसी भेदभाव के समस्त धर्मों को समान रूप से सम्मान देती है व समस्त नागरिकों को अपनी इच्छा से किसी भी धर्म को अपनाने की स्वतंत्रता भी।

2. आजादी के समय देश के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण की चुनौती के उद्देश्य से दो मुख्य अंतर क्या थे?

उत्तर– आजादी के समय देश के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण की चुनौती के उद्देश्य से दो मुख्य अंतर निम्नलिखित थे–

(1) देश के पूर्वी क्षेत्र (वर्तमान भारत के उत्तर–पूर्वी राज्य तथा वर्तमान बांग्लादेश) में भाषायी और सांस्कृतिक प्रभुत्व के विरुद्ध आंदोलन राष्ट्र निर्माण में प्रमुख बाधा थी, जबकि पश्चिमी क्षेत्र (वर्तमान पाकिस्तान) में सांप्रदायिकता राष्ट्र निर्माण में बाधा उत्पन्न कर रही थी।

(2) देश के पूर्वी क्षेत्र में अलगाववादी प्रवृत्तियों दिख रही थीं। उदाहरण के लिए, मणिपुर का भारत में विलय करने पर वहाँ के लोग अधिक आक्रोशित हुए, जिसे आज भी देखा जा सकता पश्चिमी क्षेत्र की मुख्य समस्या प्रायरू दो संप्रदायों में आपसी मतभेद ही रहा।

3. राज्य पुनर्गठन आयोग का क्या कार्य था? इसकी प्रमुख सिफारिश क्या थी? अथवा राज्य पुनर्गठन आयोग के मुख्य कार्य क्या थे? इसकी प्रमुख संस्तुतियाँ बताइए।

उत्तर– राज्य पुनर्गठन का कार्य वर्ष 1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना की गई, जिसका कार्य राज्यों के गठन तथा उनके सीमांकन के मामले पर विचार करना था। राज्य पुनर्गठन आयोग ने निम्नलिखित सिफारिशे की थी–

- राज्य पुनर्गठन आयोग ने अपनी रिपोर्ट में यह सिफारिश की कि राज्यों की सीमाओं का निर्धारण वहाँ बोली जाने वाली भाषा के आधार पर होना चाहिए।
- इसके अतिरिक्त आयोग ने यह सिफारिश की कि राज्यों का पुनर्गठन इस और अखंडता बनी रहे।

YouTube Channel : Siddhi Vinayak Sangaria

4. कहा जाता है कि राष्ट्र एक व्यापक अर्थ में 'कल्पित समुदाय' होता है और सर्व सामान्य विश्वास, इतिहास, राजनीतिक आकांक्षा और कल्पनाओं से एकसूत्र में बँधा होता है। उन विशेषताओं की पहचान करें, में जिनके आधार पर भारत राष्ट्र है।

उत्तर– निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर कहा जा सकता है कि भारत एक राष्ट्र है।

- भारत की धर्मनिरपेक्षता विभिन्न धर्मों व संप्रदायों के लोगों को भी एकता के सूत्र में बाँधकर 'विविधता में एकता' का संदेश देती है।
- राजनीतिक रूप से लोगों की भागीदारी भी भारत के लोकतंत्र को कायम करने में समर्थ व सक्षम है, जिसमें सभी वर्ग के लोग शामिल हैं।
- भारत कल्याणकारी राज्य के सिद्धांत पर कार्य करता है, जो समानता के साथ–साथ समाज के पिछड़े वर्गों व सांस्कृतिक समुदायों को भी सुरक्षा प्रदान करता है।

Class – 12th NCERT राजनीति विज्ञान के प्रत्येक अध्याय को अच्छे से समझने के लिए सिद्धि विनायक संगरिया यू–ट्यूब चैनल पर आप वीडियो देखें। इसके लिए आपको चैनल की प्ले–लिस्ट NCERT POL SCIENCE|2021-22|Class 12 (https://www.youtube.com/watch?v=T1_JmzbsaAM&list=PLllq5TfwxGWF7iVqpMJgSuc6OVr8kERaU) में अध्यायवार सभी वीडियो एकसाथ मिलेंगे। आप भी पढ़ें और अपने साथियों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

धन्यवाद

सिद्धि विनायक संगरिया टीम

Youtube Channel : Siddhi Vinayak Sangaria